मुख्यमंत्री भजनलाल ने जयपुर मेट्रो फेज़-2 की डीपीआर का अनुमोदन किया

फेज़-2 टोडी रोड से प्रहलादपुरा तक 42.80 किलोमीटर का होगा, 36 स्टेशन बनेंगे

- जयपुर शहर का उत्तर-दक्षिण मुख्य ट्रांजिट कॉरिडोर विश्वकर्मा इण्डस्ट्रियल एरिया को सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र से जोड़ेगा।
- फेज़-2 के माध्यम से टोंक रोड, विद्याधर नगर, प्रस्तावित अंतरराज्यीय बस 2 टर्मिनल, सवाई मानसिंह अस्पताल, सवाई मानसिंह स्टेडियम तथा कलैक्ट्रेट आदि को सीधे कनैक्टिविटी मिलेगी।

जयपुर, 21 मई। एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुये, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर मेट्रो फेज-2 की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) का अनुमोदन किया है। इस निर्णय के उपरांत, डीपीआर को मेट्रो रेल नीति, 2017 के तहत केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय से अनुमोदन के लिए भिजवाया गया है। केन्द्र सरकार की मंजूरी मिलते ही इस परियोजना का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025-26 के राज्य बजट में जयपुर मेट्रो के फेज-2 का कार्य हाथ में लिए जाने की घोषणा की गई थी।

इस परियोजना के साथ ही, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शहरी परिवहन के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर स्थापित करने जा रही है। यह परियोजना न केवल जयपुरवासियों के सफर को सुगम बनाएगी, बल्कि शहर की अर्थव्यवस्था और निवेश की संभावनाओं को भी नई ऊंचाई देगी। इस परियोजना का क्रियान्वयन राज्य एवं केन्द्र सरकार की नई 50:50 संयुक्त उद्यम कंपनी राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा किया जाएगा। यह कंपनी जयपुर शहर की सभी वर्तमान और भविष्य की मेट्रो परियोजनाओं की जिम्मेदारी निभाएगी। लगभग 12 हजार 260 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना के लिए एडीबी और एआईआईबी ने वित्तीय ऋण प्रदान करने की सहमति दी है।

यह परियोजना जयपुर शहर के उत्तर-दक्षिण मुख्य ट्रांजिट कॉरिडोर टोडी मोड़ से प्रह्लादपुरा तक प्रस्तावित है, जिसकी लंबाई लगभग 42.80 किलोमीटर होगी। इसमें कुल 36 स्टेशन प्रस्तावित हैं, जिनमें से 34 एलीवेटेड और 2 अंडरग्राउंड होंगे। यह कॉरिडोर शहर के प्रमुख आवासीय, व्यावसायिक, शैक्षिणक एवं औद्योगिक क्षेत्रों, जैसे वीकेआई औद्योगिक क्षेत्र तथा सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र को आपस में जोड़ेगा। इसके अतिरिक्त, दूसरे चरण में हवाई अड्डे के प्रस्तावित नवीन टर्मिनल के ठीक नीचे एक भूमिगत मेट्रो स्टेशन का प्रस्ताव किया गया है, जिससे निर्बाध कनैक्टिविटी उपलब्ध हो सकेगी। फेज़-2 के माध्यम से टोंक रोड, विद्याधर नगर, प्रस्तावित अंतरराज्यीय बस टर्मिनल्स, सवाई मानसिंह अस्पताल, सवाई मानसिंह स्टेडियम, कलेक्ट्रेट जैसे महत्वपूर्ण स्थलों को भी सीधे कनैक्टिविटी मिलेगी। जयपुर मेट्रो के प्रस्तावित फेज़-2 को वर्तमान में मानसरोवर से बड़ी चौपड तक संचालित फेज़-1 से कनेक्टिविटी हेतु फेज़-1 के रेलवे स्टेशन मेट्रो स्टेशन से प्रस्तावित खासा कोठी मेट्रो स्टेशन के मध्य एक फुट ओवर ब्रिज तथा गवरमैंट हॉस्टल और चांदपोल मेट्रो स्टेशन के बीच एक स्पर लाइन भी प्रदान की गई है, जिससे दोनों अलाइनमेंट के बीच निर्बाध आने-जाने की सुविधा मिल सकेगी।

पाक उच्चायोग के एक और अधिकारी का निष्कासन

नयी दिल्ली, 21 मई। भारत ने यहां पाकिस्तान उच्चायोग के एक अधिकारी को उसकी आपत्तिजनक गतिविधियों के कारण बुधवार को अवांछित घोषित कर दिया और उसे 24 घंटे के अंदर देश छोड़ने का निर्देश दिया। विदेश मंत्रालय ने यहां बताया कि भारत सरकार ने नयी दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग में काम करने वाले एक पाकिस्तानी अधिकारी को भारत में उसकी आधिकारिक स्थिति के प्रतिकूल गतिविधियों में शामिल होने के कारण अवांछित व्यक्ति घोषित किया है। उक्त अधिकारी को 24 घंटे के भीतर भारत छोड़ने के लिए कहा गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान उच्चायोग के प्रभारी को आज इस आशय का आदेश जारी किया गया। उनसे सख्ती से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया था कि भारत में कोई भी पाकिस्तानी राजनयिक या अधिकारी अपने विशेषाधिकारों और दर्जे का किसी भी तरह से दुरुपयोग न करे।

- भारत के विदेश मंत्रालय ने अवांछित गतिविधियों में लिप्त होने के कारण उक्त अधिकारी को 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने के आदेश दिए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्व. राजीव गांधी को 34वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

राहुल गाँधी ने पिता राजीव गांधी के साथ बचपन की फोटो शेयर की और उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी

- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि दी और 21वीं सदी के भारत के निर्माण में उनके योगदान की सराहना की।
- ममता बनर्जी ने भी एक्स पर राजीव गाँधी को याद किया व उन्हें सच्चा शहीद बताया।

नयी दिल्ली, 21 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 34वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी।

मोदी ने सोशल मीडिया में कहा, मैं हमारे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

खड़गे तथा गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री की समाधि वीर भूमि जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया।

गांधी ने भावुक होकर अपने पिता को याद करते हुए सोशल मीडिया एक्स में एक पोस्ट में कहा, पापा, आपकी यादें हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन करती हैं। आपके अधूरे सपनों को साकार करना ही मेरा संकल्प है और मैं इन्हें पूरा करके रहूंगा। इसके साथ ही उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री के साथ अपने बचपन की एक फोटो भी पोस्ट की है।

खड़गे ने कहा, 21वीं सदी के भारत के निर्माण में राजीव जी ने अद्वितीय भूमिका का निर्वाह किया। मतदान की आयु घटाकर 18 वर्ष करना, पंचायती राज को मजबूत करना, दूरसंचार और आईटी क्रांति, कम्प्यूटरीकरण कार्यक्रम, निरंतर शांति समझौते, महिला सशक्तिकरण तथा भागीदारी के लिए कई परिवर्तनकारी कदम उठाए।

उन्होंने कहा, राजीव जी ने समाज के सभी तबकों के कल्याण को ध्यान में रख कर अपने शासनकाल में 11 नीतियां बनायी। इसमें नयी शिक्षा नीति, आवास नीति, नई स्वास्थ्य नीति, नयी सिंचाई नीति प्रमुख है।

कई संस्थाओं की स्थापना की। पीने का पानी, टीकाकरण, साक्षरता, बाढ़ नियंत्रण, खाने के तेल, दुग्ध उत्पादन और टेलीकॉम पर टेक्नालाजी मिशन बनाया। एक सच्चे देशभक्त को हम नमन करते हैं।

तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने एक्स पर लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धा से याद करती हूं। राजीव जी एक दूरदर्शी नेता और देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सच्चे शहीद थे।

जून से अगस्त के बीच शुरू होगी कैलाश मानसरोवर यात्रा

- यात्रा उत्तराखंड और सिक्किम दोनों रास्तों से आयोजित होगी।
- कुल 750 यात्री कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाएंगे, हालांकि अब तक 5 हजार से ज्यादा लोग रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं।

नयी दिल्ली, 21 मई। पांच साल के अंतराल के बाद कैलाश मानसरोवर की यात्रा इस वर्ष जून से अगस्त के बीच उत्तराखंड और सिक्किम दोनों रास्तों से शुरू होने जा रही है और इसमें कुल 750 यात्री महादेव के धाम जा सकेंगे।

विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए विदेश और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने आज यहां इस यात्रा के लिए पंजीकरण कराने वाले यात्रियों के चयन के लिए कम्प्यूटरीकृत ड्रॉ आयोजित किया।

लिपुलेख दर्रे से होकर जाने पर 22 दिन और नाथू ला दर्रे से होकर 21 दिन का समय लगेगा। लिपुलेख दर्रे के रास्ते से होने वाली यात्रा में इस वर्ष 50-50 यात्रियों के पांच बैच जाएंगे, जबकि नाथू ला दर्रे से होकर जाने वाली यात्रा में 10 बैच जाएंगे। दोनों मार्ग अब पूरी तरह से मोटर चलाने योग्य हैं। उत्तराखंड के रास्ते से जाने वाले यात्रियों को अब पैदल नहीं चलना पड़ेगा। लिपुलेख दर्रे तक सड़क बन गई है। उन्हें केवल सीमा पार करने के लिए करीब एक किलोमीटर ही चलना होगा।

यात्रियों को एसएमएस और ईमेल संदेशों के माध्यम से उनके चयन के बारे में सूचित किया जाता है। यात्री अपने चयन की स्थिति की जांच करने के लिए यात्रा वेबसाइट या हेल्पलाइन नंबर 011-23088133 पर भी जानकारी ले सकते हैं।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस वर्ष 5561 आवेदकों ने सफलतापूर्वक ऑनलाइन पंजीकरण कराया था, जिनमें 4024 पुरुष आवेदक और 1537 महिला आवेदक शामिल थीं।

यात्रा के खर्च के बारे में वेबसाइट में बताया गया है कि उत्तराखंड वाले मार्ग के लिए लगभग एक लाख 74 हजार रुपये तथा सिक्किम के रास्ते से जाने वालों के लिए दो लाख 83 हजार रुपये प्रति यात्री का शुल्क लिया जाएगा।

विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्द्धन सिंह ने अपने संबोधन में यात्रा को अधिक सुलभ बनाने और यात्रियों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करते हुए, प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने यत्रियों से आग्रह किया कि वे एक-दूसरे की देखभाल करते हुए, और पर्यावरण की पवित्रता की रक्षा करते हुए जिम्मेदारी, विनम्रता और भक्तिभाव के साथ तीर्थयात्रा करें।

इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

श्रीनगर, 21 मई। दिल्ली से श्रीनगर जा रही इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट 6 ई 2142 बुधवार शाम टर्बुलैंस में फंस गई। पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल श्रीनगर को इसकी जानकारी दी और इमरजेंसी लैंडिंग कराई। फ्लाइट में 227 यात्री सवार थे। सभी यात्री और एयर क्रू पूरी तरह सुरक्षित हैं।

- फ्लाइट में टर्बुलैंस की स्थिति में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी, विमान का नोज़ कोन टूटने से यह उड़ान भरने की स्थिति में नहीं है।

सुरक्षित लैंडिंग के बाद देखा गया कि फ्लाइट की नोज कोन (आगे का हिस्सा) टूट गया है। अब यह विमान फिलहाल उड़ान भरने की स्थिति में नहीं है।

इंडिगो ने बताया कि ओलावृष्टि के कारण इमरजेंसी के हालात बने। हालांकि यह नहीं बताया कि आगे का हिस्सा कैसे टूटा।

पारंपरिक शैली में निर्मित जहाज भारतीय नौसेना में शामिल

केन्द्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने जहाज आई.एन.एस. कौडिन्य को नौसेना के सुपुर्द किया

- यह पालदार जहाज अजंता की गुफाओं की पेंटिग्स में प्रदर्शित 5वीं सदी के जहाज पर आधारित है। इसके लिए फंडिग संस्कृति मंत्रालय ने की थी।

नयी दिल्ली, 21 मई। भारतीय नौसेना ने पारंपरिक रूप से 'निर्मित जहाज' को अपने बेड़े में शामिल कर उसे आईएनएसवी कौंडिन्य नाम दिया है।

इस जहाज को बुधवार को कारवाड़ स्थित नौसेना बेस में आयोजित समारोह में नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की, जो भारत की समृद्ध जहाज निर्माण विरासत को संजोने वाली एक असाधारण परियोजना के समापन का प्रतीक है।

आईएनएसवी कौंडिन्य एक सिला हुआ पाल वाला जहाज है, जो अजंता की गुफाओं की पेंटिंग में दर्शाए गए 5वीं शताब्दी के जहाज पर आधारित है। इस परियोजना की शुरुआत संस्कृति मंत्रालय, भारतीय नौसेना और मेसर्स होदी इनोवेशन के बीच जुलाई 2023 में हस्ताक्षिरत एक त्रिपक्षीय समझौते के माध्यम से की गई थी, जिसके लिए संस्कृति मंत्रालय ने फंड दिया था। सितंबर 2023 में इस जहाज के निर्माण की शुरूआत की गई। इस जहाज का निर्माण केरल के कुशल कारीगरों की एक टीम ने सिलाई की पारंपरिक विधि का उपयोग करके किया था। इसका नेतृत्व मास्टर शिपराइट बाबू शंकरन कर रहे थे। कई महीनों तक, टीम ने कॉयर रस्सी, नारियल फाइबर और प्राकृतिक राल का उपयोग करके जहाज के पतवार पर लकड़ी के तख्तों को बड़ी मेहनत से सिल दिया। इस जहाज को इस वर्ष फरवरी में गोवा में लॉन्च किया गया था।

भारतीय नौसेना ने इस परियोजना में केंद्रीय भूमिका निभाई और इसकी डिजाइन, तकनीकी सत्यापन और निर्माण प्रक्रिया की देखरेख की। ऐसे जहाजों के कोई बचे हुए ब्लूप्रिंट न होने के कारण, डिजाइन को प्रतीकात्मक स्त्रोतों से अनुमान लगाया जाना था। नौसेना ने जहाज निर्माता के साथ मिलकर पतवार के आकार और पारंपरिक रिगिंग को फिर से बनाया और यह सुनिश्चित किया कि डिजाइन को समुद्री इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी मद्रास में हाइड्रोडायनामिक मॉडल परीक्षण और आंतरिक तकनीकी मूल्यांकन के माध्यम से प्रमाणित किया गया था। भारतीय नौसेना के नौवहन पोत (आईएनएसवी) के रूप में शामिल, कौंडिन्य कारवाड़ में स्थित रहेगा। यह जहाज अब अपने अगले ऐतिहासिक चरण में प्रवेश करेगा, जिसमें गुजरात से ओमान तक प्राचीन व्यापार मार्ग के साथ एक महासागरीय यात्रा की तैयारी शामिल है जो इस वर्ष के अंत में निर्धारित है।

कन्नड़ लेखिका बानु मुश्ताक को बुकर अवॉर्ड

नयी दिल्ली, 21 मई। 77 साल की बानु मुश्ताक और ट्रांसलेटर दीपा भष्ठी को मंगलवार को उनकी किताब 'हार्ट लैम्प' के लिए इंटरनेशनल बुकर्स प्राइज 2025 से सम्मानित किया गया है।

अवॉर्ड के साथ न सिर्फ उन्होंने 50,000 यूरो का प्राइज मनी जीता है बल्कि इतिहास भी रचा है। यह पहला मौका है जब मूल रूप से कन्नड़ में लिखी किसी किताब को यह अवॉर्ड दिया गया।

पहली बार शॉर्ट स्टोरीज के कलेक्शन को यह अवार्ड मिला है और यह पहला मौका है जब किसी भारतीय ट्रांसलेटर को अनुवाद के लिए बुकर्स सम्मान मिला है। इससे पहले 2022 में 'टूम्ब ऑफ सैंड' के लिए गीतांजली श्री को ये अवार्ड मिला था।

- पहली बार शॉर्ट स्टोरीज़ के कलैक्शन को यह अवॉर्ड मिला है। बानु मुश्ताक के इस कहानी संग्रह का दीपा भष्ठी ने अंग्रेजी अनुवाद किया है।

'हार्ट लैम्प', एडवोकेट और एक्टिविस्ट बानु मुश्ताक द्वारा 1990 से 2023 के बीच लिखी 12 शॉर्ट स्टोरीज का कलेक्शन है। इसमें मुस्लिम महिलाओं की रोजमर्रा की जिंदगी के किस्से हैं। इन कहानियों के जरिए वो पितृसत्तात्मक सोच, धार्मिक पाबंदियों और लिंगभेद के बारे में बात करती हैं।

मुश्ताक अपनी कहानियों के जरिए देश की अधिकांश महिलाओं की उस घुटन को भी बयां करती हैं जो वो अपने घर के भीतर महसूस करती हैं।

अवैध बांग्लादेशी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संपर्क किया, लेकिन उसे आधिकारिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी गई। वहीं, बाद में जब याचिकाकर्ता अपने समाज के कुछ लोगों के साथ थाने गया तो उसे मौखिक रूप से जानकारी दी गई कि उसकी मां को अवैध बांग्लादेशी होने के कारण हिरासत में लिया गया है। याचिका में कहा गया कि उसका परिवार मूल रूप से सवाई माधोपुर का है और उसके पूर्वज रोजगार के लिए जामडोली आकर बस गए थे। याचिकाकर्ता की मां के पास आधार कार्ड, वोटर आईडी, पैन कार्ड और राशन कार्ड भी है, लेकिन पुलिस ने इन दस्तावेजों को दिखाने का मौका ही नहीं दिया।

ऐसे में पुलिस की यह कार्रवाई बर्बरतापूर्ण और मनमानी है। ऐसे में प्रशासन को निर्देश दिए जाए कि वह उसकी मां को अदालत में पेश करे और तुरंत हिरासत से मुक्त करे। याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

ऑपरेशन सिंदूर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को लेकर बीकानेर जिले के लोगों और नेताओं में अलग ही जोश है। मोदी की फोटो के साथ अलग-अलग स्लोगन वाले होर्डिंग्स सड़कों पर लगाए गए हैं।

पलाना गांव में सभा स्थल पर 54 ब्लॉक बनाये गए हैं।

आगे का ब्लॉक वीवीआईपी, मीडिया और महिलाओं के लिए आरक्षित रहेगा। सभा स्थल पर करीब एक लाख लोगों के बैठने की व्यवस्था की जा रही है।

तेज गर्मी को देखते हुए सभा स्थल पर ही 50 बैड का अस्थायी हॉस्पिटल बनाया गया है। यहां भर्ती करने की सुविधा रहेगी। दवाओं का भी इंतजाम रहेगा। सीनियर डॉक्टर्स की ड्यूटी लगाई जा रही है। हर ब्लॉक में पानी के 100-100 कैम्पर होंगे ताकि ठंडे पानी के लिए लोगों को इधर-उधर भटकना नहीं पड़े। जगह-जगह पानी के टैंकर रहेंगे।

विधानसभा वार भोजन की व्यवस्था भी की जा रही है। एक मेडिकल टीम देशनोक में रहेगी, जिसके हैड डॉ. आर. के. काजला होंगे। दूसरी टीम प्रधानमंत्री के काफिले में रहेगी, जिसके इंचार्ज डॉ. श्यामलाल मीणा होंगे।

टीचर्स को पीएम के कार्यक्रम में शामिल होने का आदेश दिया गया है। शिक्षा विभाग ने सभी ब्लॉक के पीईईओ (पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी) और अन्य अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि टीचर्स को इस कार्यक्रम में भेजें।

बाँग्लादेश में सेना सत्ता संभाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मतभेद मौजूद हैं और दो स्पष्ट गुट नजर आ रहे हैं। एक धड़ा ऐसा है, जो जिहादी और इस्लामी कट्टरपंथियों के प्रभाव में है। दूसरा गुट ऐसा है जो देश में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अधिक व्यावहारिक रुख अपनाना चाहता है।

देश के अंदर इस्लामी कट्टरपंथी और जिहादी गुट पाकिस्तान से नजदीकी बढ़ा रहे हैं और पाकिस्तानी सेना तथा उसके सहयोगियों को बांग्लादेश बुला रहे हैं। वहीं, कुछ लोग ऐसे भी हैं जो जिहादियों के नियंत्रण में चल रही अस्थिरता का विरोध कर रहे हैं।

इन विभिन्न गुटों और उनके आपसी संघर्ष से यह स्पष्ट होता जा रहा है कि अब विपक्षी ताकतें खुले रूप से सामने आ रही हैं। जहाँ अंतरिम सरकार प्रमुख मोहम्मद यूनुस कट्टरपंथियों के पक्ष में खड़े हैं और पाकिस्तान के साथ गठबंधन की दिशा में बढ़ रहे हैं, वहीं बांग्लादेश के सेना प्रमुख ज्यादा सतर्क और संतुलित रुख अपना रहे हैं।

दूसरी ओर, बांग्लादेशी सेना यह चेतावनी दे रही है कि इस्लामी कट्टरपंथी तत्व बेकाबू हो चुके हैं और वे देश में व्यापक अस्थिरता पैदा कर रहे हैं। जिहादी अब भी अल्पसंख्यकों पर हमले कर रहे हैं और उनके खिलाफ संगठित, गंभीर कार्रवाइयाँ जारी हैं, जिससे अल्पसंख्यकों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है।

जानकार पर्यवेक्षकों का मानना है कि सेना यह संकेत दे रही है कि अगर अंतरिम सरकार देश में नियंत्रण बनाए रखने और समग्र स्थिरता बहाल करने में विफल रहती है, तो सेना व्यवस्था बहाल करने के लिए आगे बढ़ सकती है। बाँग्लादेश में एक और सैन्य तख्तापलट की आशंका प्रबल हो गई है। हालांकि, सेना का रूस की ओर झुकाव भारत के लिए अनुकूल माना जा रहा है।

वहीं दूसरी ओर, अंतरिम सरकार लगातार पाकिस्तान के प्रभाव क्षेत्र में आगे बढ़ रही है, और पाकिस्तान तथा सेना को देश में खुला प्रवेश मिल रहा है। पाकिस्तानी प्रभाव के साथ-साथ, चीन भी बांग्लादेश में स्पष्ट रूप से प्रवेश कर रहा है।

पहलगाम की घटना ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर पाने की खुफिया तंत्र की असफलता की चारों तरफ आलोचना हो रही है, खासतौर से इसलिए भी, क्योंकि यह नैटवर्क कथित रूप से भारत के कई राज्यों में लम्बे समय से संचालित एवं सक्रिय था। सूत्रों का कहना है कि इस नैटवर्क के सदस्य जहां दूर-दूर तक फैले हुए थे, वहीं ये विधिवत प्रशिक्षण प्राप्त नहीं थे तथा विकेन्द्रीयकृत तरीके से काम कर रहे थे। इनमें से कई लोग पैसों के लालच तथा वैचारिक बहकावे के कारण जुड़े हुए थे तथा वे प्रशिक्षित एवं पेशेवर जासूस नहीं थे।

उत्तर प्रदेश पुलिस पूर्व महानिदेशक विक्रम सिंह ने आरोपियों के नौसिखियापन को रेखांकित किया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, "गिरफ्तार किये गये ज्यादातर लोगों की पृष्ठभूमि जासूसी नहीं रही है। वे पेशेवर जासूस नहीं रहे हैं। उनमें से कई तो बिल्कुल साधारण लोग हैं, जिनसे संभवत: छोटे-मोटे काम लिए जाते थे।" उन्होंने आगे कहा, "इस प्रकार की गिरफ्तारियां भले ही सनसनीखेज लगती हों, लेकिन ये प्राय: कानूनी जांच की कसौटी पर खरी नहीं उतरती हैं।" यही बात वे लॉ-एन्फोर्समेंट ऑफिसर कह रहे हैं, जो पहले जासूसी मामलों की जांच-पड़ताल से जुड़े रहे हैं। ऐसे बहुत से अधिकारियों का कहना है कि जासूसी से संबंधित बहुत सारे मुकदमे ठोस सबूतों के अभाव, अपर्याप्त जांच-पड़ताल तथा परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता के कारण ट्रायल में टिक नहीं पाते हैं। इन चुनौतियों के बावजूद, आगे और भी गिरफ्तारियां होने की संभावना हैं, क्योंकि एजेंसियां इस नैटवर्क की पूरी पड़ताल करने में लगी हुई हैं। जो भी है, लेकिन यह केस दो काम जरूर कर रहा है - चेतावनी देने का और सबक देने का। जहां नैटवर्क के भण्डाफोड़ को एक उपलब्धि के रूप में प्रोजेक्ट किया जा रहा है, वहीं, पहलगाम त्रासदी को रोकने तथा हमलावरों को चिन्हित किये जाने की अक्षमता एक सुस्पष्ट असफलता के रूप में ली जा रही है।

पहला संसदीय प्रतिनिधिमंडल रवाना

नयी दिल्ली, 21 मई। आतंकवादी संगठनों की पनाहगार बन चुके पाकिस्तान को दुनिया भर में बेनकाब करने के लिए विभिन्न देशों में जाने वाले सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में से पहला प्रतिनिधिमंडल शिवसेना के सांसद श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में बुधवार को रवाना हो गया। यह प्रतिनिधिमंडल संयुक्त अरब अमीरात, लाइबेरिया, कांगो गणराज्य और सिएरा लियोन जायेगा। प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद को बिलकुल भी बर्दाश्त न करने के मजबूत संदेश के साथ सभी तरह के आतंकवाद का मुकाबला करने के भारत के दृढ़ दृष्टिकोण की जानकारी देगा। उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने आतंकवाद को बढ़ावा देने में लगे पाकिस्तान को घेरने तथा दुनिया को उसकी नापाक हरकतों की जानकारी देने के लिए करीब तीस देशों में सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंल भेजने का निर्णय लिया है।

24 से 31 मई तक कांग्रेस "जयहिंद सभाएं" करेगी

- पहले चरण में 16 शहरों में सभाएं होंगी, जिसमें सैनिकों को नमन किया जाएगा और फिर कांग्रेस भारत के खुफियां तंत्र की विफलता और ट्रम्प द्वारा अचानक सीज़ फायर की घोषणा करने का मुद्दा उठाएगी व सरकार से सवाल करेगी।

नयी दिल्ली, 21 मई। कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि पार्टी 24 से 31 मई तक देश के कई स्थानों पर जय हिंद सभाएं आयोजित करेगी जिनमें पहलगाम हमले के बाद आतंकवादियों के खिलाफ की गई सैन्य कार्रवाई के दौरान सेना की बहादुरी को सलाम करके खुफिया तंत्र की विफलता को लेकर सरकार से सवाल पूछे जाएंगे।

कांग्रेस पूर्व सैनिक विभाग के प्रमुख कर्नल रोहित चौधरी और विंग कमांडर अनुमा आचार्य ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, पार्टी ने निर्णय लिया है कि 24 से 31 मई तक लोगों के बीच जाकर जय हिंद सभाएँ आयोजित की जाएंगी। यह सभाएं दो चरणों में आयोजित होगी जिसके पहले चरण में 16 शहर चुने गए हैं। ये सभाएं राज्य और जिला स्तर पर होंगी जिनमें हमारे सैनिकों की वीरता को नमन किया जाएगा।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि करीब एक महीने से देश काफी मुश्किल दौर से गुजर रहा है इसलिए कांग्रेस ने यह निर्णय लिया है।

इन सभाओं से संवाद स्थापित करके सरकार से सवाल पूछे जाएंगे कि पहलगाम में खुफिया तन्त्र विफल कैसे हुआ। अब तक आतंकवादी अब तक पकड़े क्यों नहीं गए और उन्हें पकड़ने के लिए सरकार क्या योजना बना रही है।

विधायक कंवर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मामले में दोषी करार देते हुए 3 साल की सजा सुनाई गई थी। इस फैसले के खिलाफ विधायक मीणा ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उसके बाद, हाईकोर्ट ने विधायक की याचिका पर सुनवाई करते हुए एडीजी कोर्ट अकलेरा के फैसले को बरकरार रखा था।

विधायक ने, हाईकोर्ट से किसी भी प्रकार की राहत न मिलते देख, देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट में लोवर कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी तथा कोर्ट की ओर से सुनाई गई 3 साल की सजा पर पुनर्विचार करने की अपील की थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट की एकल बेंच ने उन्हें राहत प्रदान करते हुए सुनवाई के दौरान कोर्ट में उनके सरेंडर करने पर रोक लगा दी थी, लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट की डबल बेंच ने एकल बेंच के फैसले को पलटते हुए, विधायक को मनोहर थाना कोर्ट में दो सप्ताह के भीतर सरेंडर करने को कहा था। इसके बाद आखिरकार भाजपा विधायक कंवर लाल मीणा को मनोहर थाना कोर्ट में सरेंडर करना पड़ा।

बाटा ने कैरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने बिल 4704 रुपए का दिया। इसमें 6 रुपए कैरी बैग के लिए वसूले गए थे। परिवादिया ने जब विपक्षी से आग्रह किया कि वह कैरी बैग की कीमत नहीं वसूले तो कर्मचारी ने कहा कि उन्हें बैग लेना ही होगा और इसकी कीमत भी देनी होगी। मजबूर होकर उसने कैरी बैग की कीमत सहित पूरा पेमेंट कर दिया। विपक्षी की इस कार्रवाई को उपभोक्ता आयोग में चुनौती देते हुए कहा कि गया विपक्षी कंपनी कैरी बैग पर अपना विज्ञापन देकर ग्राहकों से उसकी कीमत वसूल रही है और अपने उत्पाद का प्रचार भी कर रही है। ऐसा करना ग्राहकों के साथ न केवल ठगी है, बल्कि अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस भी है। इसलिए उसे विपक्षी कंपनी से हर्जा, खर्चा सहित कैरी बैग के लिए वसूली राशि वापस दिलवाई जाए। गौरतलब है कि प्रिंटेड बैग की कीमत वसूलने पर जिला उपभोक्ता आयोग बाटा कंपनी पर पूर्व में भी दस हजार रुपए का हर्जाना लगा चुका है।

अमेरिका से भारत भेजे गये प्रत्येक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिसमें एच-1बी वीज़ा धारक, ग्रीन कार्ड होल्डर (जो अभी नागरिक नहीं बने हैं), और अन्य वीज़ा श्रेणियां शामिल हैं। अमेरिकी नागरिक और नैशनल इससे मुक्त रहेंगे। यह टैक्स ट्रांसफर के समय रैमिटैंस सर्विस या बैंकों द्वारा काटा जाएगा। यानी, अगर कोई व्यक्ति भारत में 1,000 डॉलर भेजता है, तो उसे अतिरिक्त 50 डॉलर टैक्स देना होगा।

करीब 45 लाख भारतीय-अमेरिकियों में से कई नियमित रूप से अपने माता-पिता, बच्चों की पढ़ाई या किसी हैल्थ एमरजैंसी के समय भारत में पैसे भेजते हैं। ऐसे में यह प्रस्ताव इन प्रवासी परिवारों के लिए भारी झटका बन सकता है। भारत में इन प्रवासियों के परिवारों को खर्चों में कटौती करनी पड़ सकती है और भेजने वाले मनी ट्रांसफर की संख्या या रकम घटा सकते हैं। साथ ही, इस टैक्स से बचने के लिए लोग हवाला जैसे असंगठित और जोखिम भरे चैनलों की ओर भी मुड़ सकते हैं।

भारत के लिए आर्थिक दृष्टि से यह एक बड़ा झटका हो सकता है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा रैमिटैंस प्राप्तकर्ता है - 2023 में भारत को रिकॉर्ड 100 अरब डॉलर रैमिटैंस के रूप में प्राप्त हुए, जिसमें एक बड़ा हिस्सा अमेरिका से आया। विश्लेषकों का अनुमान है कि 5 प्रतिशत टैक्स लगने से भारत को हर साल लगभग 1.6 अरब डॉलर की रैमिटैंस की हानि हो सकती है। यह छोटी रकम नहीं है, क्योंकि ये फंड भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करते हैं और ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में आय का अहम स्त्रोत हैं।

ट्रंप प्रशासन ने इस प्रस्ताव को अवैध इमिग्रेशन को हतोत्साहित करने और बॉर्डर सुरक्षा जैसी घरेलू परियोजनाओं के लिए राजस्व जुटाने की रणनीति का हिस्सा बताया है। हालांकि, आलोचकों का कहना है कि यह टैक्स, कानूनी रूप से अमेरिका में रह रहे प्रवासियों को अनुचित रूप से दंडित करता है, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था में योगदान देते हैं और अपने देश में परिवारों का सहारा बनते हैं। इससे अमेरिका, और भारत जैसे बड़े रैमिटैंस रैसीपिएंट देशों के बीच संबंधों में खिंचाव आ सकता है। यह वैश्विक वित्तीय लेनदेन की पारदर्शिता को भी घटा सकता है, क्योंकि लोग अण्डरग्राउण्ड चैनल्स का सहारा ले सकते हैं।

फिलहाल यह टैक्स केवल एक प्रस्ताव है - इसे कानून बनने से पहले अमेरिकी प्रतिनिधि सभा से पारित होना होगा। लेकिन इस प्रस्ताव की पोलिटिकल टाइमिंग दिलचस्प है। कुछ विश्लेषकों का म